

म्हारे रामा कंवर रो घोड़लो घुमतो आवे भजन लिरिक्स



पिछ्म धरा माय,
धोली धजा फरूखावे,
सदा फरूखावे,
म्हारे रामा कंवर रो घोड़लो,
घुमतो आवे।bd।

पुरी द्वारका नाथ रूणीचे आवे,
रूणीचे आवे,
तंवर वंश तपधारी पीर कहावे,
लीलो घोडो टप टप कोड बजावे,
म्हारे रामा कंवर रो घोड़लो,
घुमतो आवे।bd।

आप धणी असवार,
पोखरण गढ आवे,
पोखरण गढ आवे,
गढ पोखरण मे भैरव ने मार हटावे,
ओ घुडलो गुरुजी रे मन भावे,
सदा मन भावे म्हारे,
म्हारे रामा कंवर रो घोड़लो,
घुमतो आवे।bd।

आप धणी असवार पुगलगढ आवे,
पुगलगढ आवे,
पुगलगढ मे हरिया बाग बन जावे,
रतनो रायको बाई शुगना ने लावे,
शुगना ने लावे,
म्हारे रामा कंवर रो घोड़लो,
घुमतो आवे।bd।

बीज चानणी मेलो जोर भरावे,
जोर भरावे,
कोई नर नारी दर्शन ने रूणीचे आवे,
रामदेवजी सब रा कष्ट मिटावे,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कष्ट मिटावे,
म्हारे रामा कंवर रो घुड़लो,
घुमतो आवे।bd।

मारवाड गुजरात मालवो ध्यावे,
मालवो ध्यावे,
कोई कर जोड हनुमानसिंह गुण गावे,
श्याम पालीवाल चरणो मे,
शीश निवावे,
शीश निवावे,
म्हारे रामा कंवर रो घुड़लो,
घुमतो आवे।bd।

पिछ्म धरा माय,
धोली धजा फरूखावे,
सदा फरूखावे,
म्हारे रामा कंवर रो घुड़लो,
घुमतो आवे।bd।

गायक – श्याम पालीवाल जी।
प्रेषक – महेंद्र पंवार नारनाडी।
9001717456
